शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION
सत्यमेव जयते

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

द्वारा अनुदानित एवं

महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय,बलरामपुर

द्वारा आयोजित

जगद्गुरु श्री शंकराचार्य

व्याख्यान माला

दिनांक: 14 मार्च, 2024

फाल्गुन शुक्ल पंचमी, वि.सं.- २०८०

प्रो. जे.पी. पाण्डेय
प्राचार्य

प्रो. श्रीप्रकाश मिश्र
समन्वयक/आयोजन सचिव

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित

आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर

श्री जगतगुरू शंकराचार्य व्याख्यान माला दिनांक 14.03.2024 कार्यक्रम विवरण

कला संकाय पोर्टिको में आगमन	– 10:30 A.M.
मंच पर स्थान ग्रहण	– 10:35 A.M.
दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यपर्ण	– 10:35 A.M. से 10:40 A.M.
मां सरस्वती वन्दना	– 10:40 A.M. से 10:45 A.M.
स्वागत भाषण एवं परिचय माननीय प्राचार्य	– 10:45 A.M. से 10:50 A.M.
प्रो0 जे0पी0 पाण्डेय जी द्वारा	
स्वागतगीत	– 10:50 A.M. से 10:55 A.M.
स्मृति चिन्ह एवं उत्तरी द्वारा अतिथि स्वागत	– 10:55 A.M. से 11:00 A.M.
डॉ0 श्रीनिवास मिश्र जी, दर्शनशास्त्र विभाग	– 11:00 A.M. से 11:45 A.M.
म0मो0मा0पी0जी0, कालेज, भाटपार रानी देवरिया	
प्रो0 द्वारकानाथ जी, दर्शनशास्त्र विभाग	– 11:45 A.M. से 12:30 P.M.
दी0द0उ0, गोरखपुर वि0वि0, गोरखपुर	
डॉ0 माधवराज द्विवेदी जी, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग	– 12:30 P.M. से 01:15 P.M.
एम0एल0के0पी0जी0कालेज, बलरामपुर	
प्रमाण पत्र वितरण	– 01:15 P.M. से 01:20 P.M.
धन्यवाद ज्ञापन द्वारा प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र, समन्वयक	– 01:20 P.M. से 01:30 P.M.
राष्ट्रगान	– 01:30 P.M.
सूक्ष्म जलपान (आडीटोरियम के बगल)	– 01:30 P.M. से 02:00 P.M.

(प्रो0 जे0 पी0 पाण्डेय)
प्राचार्य

(प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र)
समन्वयक

CamScanner

प्रमाण–पत्र

प्रति,

अध्यक्ष,

जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय,

भारत सरकार।

प्रमाणित किया जाता है कि फाइल सेक्शन भारतीय भाषा समिति bbs.filesection@gmail.com दिनांक 08 मार्च 2024 के अनुसार प्राप्त वित्तीय सहयोग से **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला** का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2024 को बी.एड्. विभाग, एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज, बलरामपुर द्वारा किया गया। इस व्याख्यान माला के समन्वयक/आयोजन सचिव प्रो. श्रीप्रकाश मिश्र, शिक्षक–शिक्षा (बी.एड्.) विभाग रहे।

धन्यवाद।

प्राचार्य

प्रो. जे.पी. पाण्डेय

सेवा में,

अध्यक्ष,
जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला
भारतीय भाषा समिति,
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

विषयः व्याख्यान माला के आयोजन पश्चात् पत्रजातों का प्रेषण।

मान्यवर,

बड़े हर्ष और आदर के साथ सूच्य है कि फाइल सेक्शन भारतीय भाषा समिति bbs.filesection@gmail.com दिनांक 08 मार्च 2024 के अनुसार प्राप्त स्वीकृति एवं वित्तीय सहयोग से "**जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला**" के अन्तर्गत व्याख्यानों का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2024 को बी.एड्. विभाग, एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज, बलरामपुर द्वारा किया गया। इस सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही तथा अवशेष धनराशि अवमुक्त करने हेतु आपके निर्देशानुसार निम्नलिखित पत्रजात प्रेषित कर रहा हूँ।

ई–मेल के माध्यम से –

1. उपयोगिता प्रमाण पत्र की स्कैन कॉपी
2. व्यय विवरण की स्कैन कॉपी
3. कार्यक्रम की संक्षिप्त रिपोर्ट
4. विषय विशेषज्ञों की सूची की सॉफ्ट कॉपी
5. ऑडियो–वीडियो लिंक यू–ट्यूब
6. प्रतिभागियों की सूची
7. उपस्थिति पत्रक

डाक के माध्यम से –

1. उपयोगिता प्रमाण पत्र की मूल प्रति
2. व्यय विवरण की प्रमाणित मूल प्रति
3. सभी बिलों की प्रमाणित फोटो प्रतियाँ
4. रिपोर्ट की हार्ड कॉपी
5. उपस्थिति पत्रक

प्राचार्य
प्रो. जे.पी. पाण्डेय

समन्वयक/आयोजन सचिव
प्रो. श्रीप्रकाश मिश्र

स्वीकृति

शिक्षक–शिक्षा (बी.एड.) विभाग, एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज, बलरामपुर, उ0प्र0 द्वारा दिनांक–14 मार्च 2024 को **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला** का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान माला में उद्देश्यों के अनुरूप तीन कड़ियों का व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। प्रथम व्याख्यान डॉ0 श्रीनिवास मिश्र, सहायक आचार्य, दर्शन शास्त्र विभाग, म0मो0मा0, पी.जी. कॉलेज, भाटपार रानी देवरिया, द्वितीय व्याख्यान प्रो0 द्वारका नाथ, वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा तृतीय व्याख्यान डॉ0 माधवराज द्विवेदी, पूर्व उपाचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, एम.एल.के. पी. जी. कॉलेज, बलरामपुर ने दिया। हम इन सभी के प्रति आभारी हैं। प्राचार्य प्रो0 जनार्दन प्रसाद पाण्डेय ने आयोजन समिति के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। बी0एड्0 विभागाध्यक्ष प्रो0 राघवेन्द्र सिंह, शिक्षाशास्त्र विभाग डॉ0 दिनेश कुमार मौर्य तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ0 राम रहीस के सहयोग ने हमें सदैव लक्ष्य की ओर उन्मुख रखा तो आई0क्यू0ए0सी0 समन्वयक प्रो0 तबस्सुम फरखी सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का विभिन्न कार्यों में किया गया सहयोग सम्बल प्रदान करता रहा।

इस व्याख्यान माला को उत्कृष्टता तथा सही दिशा प्रदान करने में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का वित्तीय सहयोग अति महत्वपूर्ण रहा। इस हेतु मै भारतीय भाषा समिति तथा इसके अधिकारीगणों के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। व्याख्यान माला को सफल बनाने में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से जिनका भी सहयोग मिला है, उनके प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही श्रोतागण के रूप में उपस्थित बी0ए0, बी0एस0सी0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0, परास्नातक तथा बी0एड्0 के छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना व्यक्त करता हूँ।

प्रो. श्रीप्रकाश मिश्र
समन्वयक/आयोजन सचिव
जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला
वित्तपोषणः भारतीय भाषा समिति
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

कार्यक्रम की संक्षिप्त रिपोर्ट

जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला प्रतिवेदन

महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर के शिक्षक–शिक्षा (बी.एड.) विभाग द्वारा ''**जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला**'' का आयोजन भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से दिनांक 14 मार्च 2024 को किया गया। प्रातः 08:00 बजे आकर बी0एड्0 छात्राओं द्वारा श्री शंकराचार्य द्वारा भारत को एकीकृत किये गये प्रयासों के दृष्टिगत एकात्म भारत की सुन्दर रंगोली बनायी गयी। व्याख्याताओं के आगमन तथा सूक्ष्म जलपान पश्चात् तय अनुसूची के कुछ विलम्ब के साथ कार्यक्रम दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण के द्वारा किया गया। बी0एड्0 विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सम्मानित तीनों प्रवाचकों का प्राचार्य प्रो0 जे0 पी0 पाण्डेय तथा समन्वयक द्वारा उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर महाविद्यालय की स्मृतियों को संजोने का उपक्रम किया गया।

उद्घाटन की औपचारिकताओं को पूर्णता प्रदान करते हुए प्रवाचक त्रय, प्राध्यापकों तथा छात्र–छात्राओं का स्वागत महाविद्यालय प्राचार्य तथा आयोजन समिति अध्यक्ष प्रो0 जे0पी0 पाण्डेय ने किया। स्वागत क्रम में ही उन्होंने श्री शंकराचार्य जी के द्वारा भारत को एक करने तथा सनातन को सुदृढ़ करने के सम्बन्ध में संक्षिप्त उद्बोधन भी किया गया तथा व्याख्यान माला के सफल आयोजन के लिए शुभकामना व्यक्त किया।

औपचारिकताओं की पूर्णता पश्चात् पहला व्याख्यान डॉ0 श्रीनिवास मिश्र, सहायक आचार्य, दर्शन शास्त्र विभाग, मदन मोहन मालवीय पी.जी. कॉलेज, भाटपार रानी, देवरिया ने दिया। डॉ0 मिश्र ने सर्वप्रथम श्री शंकराचार्य जी का जीवनवृत्त बताया। उन्होंने शंकराचार्य को संयम, त्याग और तपस्या से ओत–प्रोत बताया। डॉ0 श्री मिश्र ने सत् और असत् की व्याख्या करते हुए विभिन्न उदाहरणों द्वारा शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन की स्पष्ट व्याख्या की तथा उस आधार पर भारत की एकात्मकता के लिए, लोगों के जीवन उत्थान के लिए उनकी दी हुई शिक्षाओं पर चलने का आग्रह किया। श्री मिश्र का व्याख्यान **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** के आध्यात्मिक योगदान पर केन्द्रित रहा।

द्वितीय वक्ता प्रो0 द्वारका नाथ, वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन शास्त्र विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर रहे। प्रो0 द्वारका नाथ ने श्री शंकराचार्य को महान दार्शनिक, कवि और समाजसुधारक बताते हुए विभिन्न उदाहरणों और लघुकथाओं से उनकी अन्य शक्तियों से छात्र–छात्राओं तथा श्रोताओं को परिचित कराया। प्रो0 द्वारकानाथ ने श्री शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठों को भारत की एकता का मूल सतम्भ बताते हुए उनके महत्व को रेखांकित किया। प्रो0 द्वारकानाथ के अनुसार श्री शंकराचार्य का मूल दर्शन ब्रह्म सत्य और जगत मिथ्या है। उन्होंने स्पष्ट व्याख्या द्वारा बताया कि संसार की सभी वस्तुएं परिवर्तनशील हैं परन्तु ब्रह्म ही परिवर्तनशील नही है, वहीं सत्य है। प्रो0 द्वारकानाथ ने सगुण और निर्गुण ब्रह्म के अन्तर को स्पष्ट करते हुए श्री शंकराचार्य के पंचायतन पद्धति के बारे में बताया। प्रो0 द्वारकानाथ का व्याख्यान भारत की एकता और एकात्मकता में **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** के योगदान पर केन्द्रित रहा।

इस व्याख्यान माला की तीसरी कड़ी के रूप में संस्कृत विभाग और व्याकरण के आचार्य भारतीय दर्शन में संस्कृत के महत्व को समझने वाले उद्भट विद्वान डॉ0 माधवराज द्विवेदी, पूर्व उपाचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, एम0एल0के0 पी0 जी0 कॉलेज, बलरामपुर थे। डॉ0 द्विवेदी ने श्री शंकराचार्य के विभिन्न पहलुओं को रेखांकित करते हुए उनके दर्शन के प्रचार–प्रसार में संस्कृत भाषा को सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा ही एक ऐसी भाषा थी जो पूर्णतः वैज्ञानिक तथा सर्व समाज को सर्वमान्य थी। डॉ0 द्विवेदी का व्याख्यान भारत की एकता और एकात्मकता में श्री शंकराचार्य के योगदान के साथ–साथ भाषायी एकता के वाहक विषयवस्तु पर केन्द्रित रहा।

व्याख्यान के पश्चात् अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों/श्रोताओं/छात्र–छात्राओं को प्रमाण–पत्र दिया गया। इसके पश्चात डॉ0 राम रहीस, सहायक आचार्य, बी0एड्0 विभाग ने व्याख्यान श्रृंखला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंत में प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र समन्वयक/आयोजन सचिव, **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला** ने सभी आगत व्याख्याताओं, उपस्थित प्राध्यापकों, छात्र–छात्राओं, मीडिया कर्मियों तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग करने वालों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया तथा भारतीय भाषा समिति के द्वारा वित्तीय सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ ये कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को पूर्ण करते हुए अपनी परिणति को पहुँचा।

वास्तव में **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** भारत की सनातन संस्कृति के अनन्य उपासक थे। उनके कृत्यों ने भारत को सांस्कृतिक, धार्मिक एवं भाषायी एकता के रूप में एक सूत्र में पिरोने का अप्रतिम कार्य किया। उन्होंने भारत की भौगोलिक, सांस्कृहतिक एवं आध्यात्मिक एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने भारत की पवित्र भूमि पर सभी दिशाओं की यात्रा की और अपने ज्ञान व संचार कौशल से सनातन धर्म की ध्वजा फहरायी। इन व्याख्यानों द्वारा छात्रों को उपरोक्त तथ्यों को समझाने का अवसर मिला तथा निश्चित रूप से श्री शंकराचार्य के योगदान को समझाने तथा इस पथ पर चलने को वे अग्रसर होंगे।

जगद्गुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान श्रृंखला के द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति हुई–

1. **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** के जीवन को समझा गया।
2. **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** के दर्शन और कार्यों को व्यापक चर्चा द्वारा युवाओं के बीच में लाया गया।
3. **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** के दर्शन एवं जीवन कार्यों में संस्कृत एवं भारतीय भाषाओं की भूमिका को समझा गया।
4. देश की एकता में संस्कृत भाषा महत्वपूर्ण है। इसके सम्बर्धन, संरक्षण का प्रयास हो तथा इस भाषा के प्रति दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाया जाये।
5. **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** आध्यात्मिक एवं भाषायी एकता के वाहक थे। इस शीर्षक पर और अधिक व्यापक विचार–विमर्श, संगोष्ठी, व्याख्यानों तथा कार्यशालाओं के द्वारा युवाओं को भिज्ञ कराया जाये।
6. भारत की एकता में श्री शंकराचार्य के महत्व को छात्रों ने बखूबी समझा।
7. यह महसूस किया गया कि श्री शंकराचार्य के दर्शन पर एक देशव्यापी चर्चा खड़ा करने की जरूरत है तथा इसे युवाओं के मध्य ले जाने की आवश्यकता है।
8. श्री शंकराचार्य का दर्शन एवं उनकी सनातन संस्कृति के प्रति अप्रतिम योगदान में भाषायें किस प्रकार सिद्ध हुई, यह शोध के केन्द्र में रखा जाये।

9. श्री शंकराचार्य जी का दर्शन मानव मस्तिष्क चिन्तन की उच्च स्तर की चिंतन परम्परा परिलक्षित करता है। इसपर विचार–विमर्श करना छात्रों के मस्तिष्क को उन्नत रूप में विकसित होने के लिए सहयोग करेगा।
10. द्वैत का खंडन तथा अद्वैत का आंदोलन खड़ा कर वर्तमान भारत की समस्याओं को समाप्त करने में सहयोग मिल सकता है।

अस्तु **जगद्गुरु श्री शंकराचार्य** जो सनातन संस्कृति एवं भारतवर्ष के पूज्य हैं, हमारी विरासत हैं और इस सबका द्वार भाषा है। भाषा के ही माध्यम से संस्कृत को समझा तथा उसे बढ़ाया जा सकता है। भाषा संस्कृति तथा राष्ट्रीय एकता, यह तीनों एक दूसरे से जुड़े हैं। यह इस व्याख्यान श्रृंखला द्वारा समझा गया इसे और आगे बढ़ाने की जरूरत है।

विषय विशेषज्ञों की सूची–

1. डॉ0 श्रीनिवास मिश्र, सहायक आचार्य, दर्शन शास्त्र विभाग, म0मो0मा0, पी.जी. कॉलेज, भाटपार रानी देवरिया। मो.: 9794184452, 8381899888

2. प्रो0 द्वारका नाथ, वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर। मो.: 9935900434

3. डॉ0 माधवराज द्विवेदी, पूर्व उपाचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, एम.एल.के. पी. जी. कॉलेज, बलरामपुर। मो.: 9452149803, 7523095838

ऑडियो–वीडियो यू–ट्यूब लिंक–

https://youtube.com/live/pd3wsZQJS48

Graduate releasing on 22nd March, (in Cinemas

Atrangii O

BALRAMPUR...जगतगुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला आयोजित

By **Unknown** मार्च 14, 2024 0

अखिलेश्वर तिवारी
जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय के एम एल के पी जी कॉलेज सभागार में भारतीय भाषा समिति शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुदानित एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर तथा महाविद्यालय के बीएड एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को एकदिवसीय जगद्गुरू श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला में वक्ताओं ने जगद्गुरू श्री शंकराचार्य के दर्शन एवं जीवन कार्य मे संस्कृत एव भारतीय भाषाओं की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी।

सहायक आचार्य दर्शनशास्त्र देवरिया, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय, आई क्यू ए सी समन्वयक प्रो0 तबस्सुम फरखी, संयोजक प्रो0 राघवेंद्र सिंह,सह संयोजक डॉ दिनेश मौर्य, आयोजन सचिव प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र ने दीप प्रज्वलित एव मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया।

इसके पश्चात बीएड की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत कर व्याख्यान माला की औपचारिक शुरुआत की। उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए प्रो द्वारकानाथ ने जगद्गुरू श्री शंकराचार्य के आध्यात्मिक एवं भाषाई एकता के वाहक विषय के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि ईश्वर सर्वत्र है, वह सभी मे व्याप्त है। शंकराचार्य धार्मिक आकाश के चमकते सितारे होने के साथ साथ विश्वमानव थे। आदि शंकराचार्य ने मात्र 32 वर्ष की अल्पायु में संपूर्ण भारतवर्ष का तीन बार पैदल भ्रमण कर बख़ूबी समझा और सतत साधना के बल पर प्रत्यक्ष अनुभव किया था। कदाचित यही कारण रहा कि वे राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के स्थाई, मान्य एवं व्यावहारिक सूत्र देने में सफल रहे। पूरब से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण तक राष्ट्र को एकता एवं अखंडता के सूत्र में पिरोने में उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली। डॉ माधवराज द्विवेदी ने भारत की एकता और एकात्मता में जगद्गुरू श्री शंकराचार्य के योगदान को बताया। डॉ श्रीनिवास मिश्र ने एकात्म मानववाद को समझाते हुए कहा कि मानव अभेद नहीं है। भारतीय ज्ञान परम्परा वैश्विक परंपरा है, एकत्व व अखंड परंपरा है। अद्वैतवाद पर ही चलकर विश्वगुरू बना जा सकता है। व्याख्यान माला के अध्यक्ष प्राचार्य प्रो0 पाण्डेय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की संप्रभुता जन में निहित है। यह राज्य (स्टेट) में न होकर धर्म, समाज और संस्कृति में है। ध्यान रहे कि भारत के लिए धर्म कर्त्तव्य-बोध या आचरणगत सदाचार है। एकता एवं अखंडता के सूत्र व तत्त्व हमने राज्य एवं राजनीति में नहीं, अपितु धर्म, अध्यात्म एवं संस्कृति में खोजे और पाए हैं। धर्म एवं संस्कृति ही हमारी चेतना को झंकृत करती है। वही हमारी प्रेरणा के अजस्र स्रोत हैं। इसीलिए हमारे यहां आम धारणा है कि धर्म व संस्कृति जोड़ती हैं, राजनीति तोड़ती है। आयोजन सचिव प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सह आयोजन सचिव डॉ राम रहीस ने संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत किया। व्याख्यान माला का संचालन समन्वय सह सचिव महाविद्यालय के एसोसिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट(डॉ) देवेन्द्र कुमार चौहान ने किया। इसके पूर्व प्राचार्य ,संयोजक व आयोजन सचिव के द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेटकर सम्मानित किया गया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रो0 अरुण कुमार सिंह, प्रो0 पी सी गिरि, प्रो0 मोहिउद्दीन अंसारी, प्रो0 वीणा सिंह, प्रो0 रेखा विश्वकर्मा, डॉ विमल प्रकाश, डॉ तारिक कबीर, डॉ प्रखर त्रिपाठी, डॉ आज़ाद प्रताप सिंह, डॉ सद्गुरु प्रकाश, डॉ आलोक शुक्ल, डॉ आशीष लाल, डॉ एस के त्रिपाठी, डॉ अनुज सिंह, सीमा सिन्हा, प्रतीची सिंह, श्रीनारायण सिंह, सीमा श्रीवास्तव, सीमा पांडेय व अविनाश मिश्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

Tags खबरे

Share :

पुराने
लालगंज: संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, कोहराम

और नया
विकास के माध्यम से संसाधनों की सुसज्जा का अद्भुत परिणाम: रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक की समृद्धि

YOU MAY LIKE ज़्यादा दिखाएं

खबरे खबरे खबरे

शिक्षा शास्त्र एवं बीएड विभाग द्वारा जगतगुरु शंकराचार्य व्याख्यान माला का आयोजन

बलरामपुर । जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय के एम एल के पी जी कॉलेज सभागार में भारतीय भाषा समिति शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुदानित एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर तथा महाविद्यालय के बीएड एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को एकदिवसीय जगद्गुरू श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला में वक्ताओं ने जगदुरू श्री शंकराचार्य के दर्शन एवं जीवन कार्य मे संस्कृत एव भारतीय भाषाओं की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। जानकारी के अनुसार 14 मार्च को एमएलके पीजी कॉलेज सभागार में आयोजित व्याख्यान माला का शुभारंभ मुख्य व्याख्याता प्रो0 द्वारका नाथ वरिष्ठ आचार्य एव पूर्व विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ,पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग एम एल के कॉलेज डॉ माधवराज द्विवेदी ,डॉ श्रीनिवास मिश्र सहायक आचार्य दर्शनशास्त्र देवरिया, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय, आई क्यू ए सी समन्वयक प्रो0 तबस्सुम फरखी, संयोजक प्रो0 राघवेंद्र सिंह,सह संयोजक डॉ दिनेश मौर्य, आयोजन सचिव प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र ने दीप प्रज्वलित एव मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। इसके पश्चात बीएड की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत कर व्याख्यान माला की औपचारिक शुरुआत की। उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए प्रो द्वारकानाथ ने जगद्गुरू श्री शंकराचार्य के आध्यात्मिक एवं भाषाई एकता के वाहक विषय के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि ईश्वर सर्वत्र है, वह सभी मे व्याप्त है। शंकराचार्य धार्मिक आकाश के चमकते सितारे होने के साथ साथ विश्वमानव थे।आदि शंकराचार्य ने मात्र 32 वर्ष की अल्पायु में संपूर्ण भारतवर्ष का तीन बार पैदल भ्रमण कर बखूबी समझा और सतत साधना के बल पर प्रत्यक्ष अनुभव किया था। कदाचित यही कारण रहा कि वे राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के स्थाई, मान्य एवं व्यावहारिक सूत्र देने में सफल रहे। पूरब से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण तक राष्ट्र को एकता एवं अखंडता के सूत्र में पिरोने में उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली।

लोहिया क्रांति

जगतगुरु शंकराचार्य के दर्शन पर डाला प्रकाश

संवाद न्यूज एजेंसी

एमएलके महाविद्यालय सभागार में व्याख्यान का हुआ आयोजन

बलरामपुर। एमएलके महाविद्यालय सभागार में बीएड व शिक्षा विभाग की तरफ से बृहस्पतिवार को एक व्याख्यानमाला में वक्ताओं ने जगतगुरु शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला।

व्याख्यानमाला का शुभारंभ गोरखपुर विवि के वरिष्ठ आचार्य प्रो. द्वारका नाथ, पूर्व विभागाध्यक्ष संस्कृत एमएलके महाविद्यालय डॉ. माधवराज द्विवेदी और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय ने किया। बीएड की छात्राओं ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्य वक्ता ने प्रोफेसर द्वारका नाथ ने कहा कि ईश्वर सर्वत्र हैं, वह सभी में व्याप्त हैं इसका सही प्रचार-प्रसार जगतगुरु शंकराचार्य ने ही किया। आदि शंकराचार्य ने मात्र 32 वर्ष की आयु में ही संपूर्ण भारतवर्ष का तीन बार पैदल भ्रमण कर सनातन धर्म के साथ देश की सभ्यता एवं संस्कृति से भी लोगों को परिचित कराया।

अन्य वक्ताओं ने भी व्याख्यान देते हुए जगतगुरु शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट एनसीसी आफीसर डॉ. देवेंद्र कुमार चौहान ने किया। इस अवसर पर देवरिया से आए दर्शन शास्त्र की विशेषज्ञ डॉ. श्रीनिवास मिश्र, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. तबस्सुम फरकी, कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राघवेंद्र सिंह आदि रहे।

जगद्गुरु शंकराचार्य धार्मिक आकाश के चमकते सितारे- द्वारिका नाथ

एमएलकेपीजी कॉलेज में जगतगुरु शंकराचार्य पर व्याख्यान कार्यक्रम संपन्न

बलरामपुर। गुरुवार को एम एल के पी जी कॉलेज सभागार में भारतीय भाषा समिति शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से अनुदानित एम एल के पी जी कॉलेज व महाविद्यालय के बीएड एवं शिक्षाशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय जगद्गुरू शंकराचार्य व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला में वक्ताओं ने जगद्गुरू शंकराचार्य के दर्शन एवं जीवन कार्य मे संस्कृत एव भारतीय भाषाओं की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी।

व्याख्यान माला का शुभारंभ मुख्य व्याख्याता प्रो0 द्वारकानाथ वरिष्ठ आचार्य एव पूर्व विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ,पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग एम एल के कॉलेज डॉ माधवराज द्विवेदी ,डॉ श्रीनिवास मिश्र सहायक आचार्य दर्शनशास्त्र देवरिया, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय, आई क्यू ए सी समन्वयक प्रो0 तबस्सुम फरखी, संयोजक प्रो0 राघवेद्र सिंह,सह संयोजक डॉ दिनेश मौर्य, आयोजन सचिव प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र ने दीप प्रज्वलित एव मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। इसके बाद बीएड की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत कर व्याख्यान माला की औपचारिक शुरुआत की। उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए प्रो द्वारकानाथ ने जगद्गुरू श्री शंकराचार्य के आध्यात्मिक एवं भाषाई एकता के वाहक विषय के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि ईश्वर सर्वत्र है, वह सभी मे व्याप्त है। शंकराचार्य धार्मिक आकाश के चमकते सितारे होने के साथ साथ विश्वमानव थे।आदि शंकराचार्य ने मात्र 32 वर्ष की अल्पायु में संपूर्ण भारतवर्ष का तीन बार पैदल भ्रमण कर बखूबी समझा और सतत साधना के बल पर प्रत्यक्ष अनुभव किया था। कदाचित यही कारण रहा कि वे राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के स्थाई, मान्य एवं व्यावहारिक सूत्र देने में सफल रहे। पूरब से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण तक राष्ट्र को एकता एवं अखंडता के सूत्र में पिरोने में उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली। डॉ माधवराज द्विवेदी ने भारत की एकता और एकात्मता में जगद्गुरू श्री शंकराचार्य के योगदान को बताया। डॉ श्रीनिवास मिश्र ने एकात्म मानववाद को समझाते हुए कहा कि मानव अभेद नहीं है। भारतीय ज्ञान परम्परा वैधिक परंपरा है, एकत्व व अखंड परंपरा है। अद्वैतवाद पर ही चलकर विश्वगुरू बना जा सकता है। व्याख्यान माला के अध्यक्ष प्राचार्य प्रो0 पाण्डेय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की संप्रभुता जन में निहित है। यह राज्य (स्टेट) में न होकर धर्म, समाज और संस्कृति में है। ध्यान रहे कि भारत के लिए धर्म कर्तव्य-बोध या आचरणगत सदाचार है। एकता एवं अखंडता के सूत्र व तत्त्व हमने राज्य एवं राजनीति में नहीं, अपितु धर्म, अध्यात्म एवं संस्कृति में खोजे और पाए हैं। धर्म एवं संस्कृति ही हमारी चेतना को झंकृत करती है। वही हमारी प्रेरणा के अजस्र स्रोत हैं। इसीलिए हमारे यहां आम धारणा है कि धर्म व संस्कृति जोड़ती हैं, राजनीति तोड़ती है। आयोजन सचिव प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्र ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सह आयोजन सचिव डॉ राम रहीस ने संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत किया। व्याख्यान माला का संचालन समन्वय सह सचिव महाविद्यालय के एसोसिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट(डॉ) देवेन्द्र कुमार चौहान ने किया। इसके पूर्व प्राचार्य ,संयोजक व आयोजन सचिव के द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेटकर सम्मानित किया गया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इस अवसर पर प्रो0 अरुण कुमार सिंह, प्रो0 पी सी गिरि, प्रो0 मोहिउद्दीन अंसारी,प्रो0 वीणा सिंह,प्रो0 रेखा विश्वकर्मा,डॉ विमल प्रकाश,डॉ तारिक कबीर,डॉ प्रखर त्रिपाठी,डॉ आज़ाद प्रताप सिंह, डॉ सदगुरु प्रकाश,डॉ आलोक शुक्ल, डॉ आशीष लाल,डॉ एस के त्रिपाठी, डॉ अनुज सिंह, सीमा सिन्हा, प्रतीची सिंह, श्रीनारायण सिंह,सीमा श्रीवास्तव, सीमा पांडेय,अविनाश मिश्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

'धार्मिक गगन के सितारे थे जगद्गुरु आदिशंकराचार्य'

जासं, बलरामपुर: भारतीय भाषा समिति शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से अनुदानित महारानी लाल कुंवरि महाविद्यालय के बीएड एवं शिक्षा शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जगद्गुरु शंकराचार्य व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने जगद्गुरु श्री शंकराचार्य के दर्शन एवं जीवन कार्य में संस्कृत एवं भारतीय भाषाओं की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी।

शुभारंभ मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. द्वारकानाथ, डा. माधवराज द्विवेदी, डा. श्रीनिवास मिश्र व प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय ने किया। प्रो. द्वारकानाथ ने कहा कि ईश्वर सर्वत्र है, वह सभी में व्याप्त है। शंकराचार्य धार्मिक आकाश के चमकते सितारे होने संग विश्व मानव थे। आदि शंकराचार्य ने मात्र 32 वर्ष की अल्पायु में संपूर्ण भारतवर्ष का तीन बार पैदल भ्रमण कर बखूबी समझा व सतत साधना के बल पर प्रत्यक्ष अनुभव किया था। यही कारण रहा कि राष्ट्रीय एकता व अखंडता के स्थाई, मान्य व व्यावहारिक सूत्र देने में सफल रहे। आयोजन सचिव प्रो. श्रीप्रकाश मिश्र, सहसचिव डा. राम रहीस, ले. डा. देवेंद्र कुमार चौहान, प्रो. अरुण कुमार सिंह, प्रो. पीसी गिरि, प्रो. मोहिउद्दीन अंसारी, प्रो. वीणा सिंह मौजूद रहे।

द्वारा अनुदानित एवं
महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर
द्वारा आयोजित
जगद्गुरु श्री शंकराचार्य
व्याख्यान
प्रो. जे.पी. पाण्डेय

द्वारा अनुदानित एवं
महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर
द्वारा आयोजित
जगद्गुरु श्री शंकराचार्य
व्याख्यान माला
दिनांक: 14 मार्च, 2024

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित
आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर
श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024

उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
1	श्रीमती सीमा पाण्डेय				
2	श्रुति शुक्ला				
3	प्रो० वीणा सिंह				
4	प्रो० रेखा विश्वकर्मा				
5	प्रतीची सिंह				
6	प्रखर त्रिपाठी				
7	डॉ ए० के० ~~[illegible]~~ दीक्षित				
8	डॉ विनीत कुमार				
9	O.P. Singh				
10	Dr. Anuj Singh				
11	डॉ० आजाद प्रताप सिंह				
12	प्रो० पी० सी० गिरि				
13	Dr. Hema				
14	Dr. B. L. Gupta				
15	Sm° Narayan Singh				
16	Prof M. Ansari				
17	Md Tarique Kabir				
18	डॉ० विमल प्रकाश वर्मा				
19	डॉ० प्रमोद कुमार यादव				
20	दिनेश कुमार				
21	संदीप कुमार यादव				
22	सना उस्मान				
23	Dr. Vandana Singh				
24	Abhay Nath Thakur				
25	Seema Sinha				
26	प्रो० राघवेन्द्र सिंह				
27	देव दीपक वर्मा				
28	Dr. Alok Shukla				
29	Dr. Ram Rahush				
30	AVINASH MISHRA				
31	Dr. A.K. Singh				
32	Lavkush Pandey				
33	Shainky Ruhela				
34	Dr. Abhishek Kushwaha				

Page - (2)

B.Ed. Students
I, II
+
M.A. I + II
Students
+
B.A. + B.Sc
=

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित
आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर
श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024

उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
35	Vikas dhar dubey	23011012	B.Ed I year		Vikas dhar
36	Mahesh Kumar Tripathi	23011043	B.Ed.-I		Mahesh
37	मनोज कुमार	23011037	B.ed-Ist		[illegible]
38	SHAILENDRA MOHAN	23011048	B.Ed-Ist		Shailendra Mohan
39	VINOD KUMAR VERMA	23011001	B.Ed Ist		Vinod Kumar Verma
40	Deependra Kumar Mishra	23011002	B.Ed Ist		DKmishra
41	SUBHASH CHANDRA	23011050	B.Ed Ist		Subhash Chandra
42	Brijesh kumar Maurya	23011022	B.Ed Ist		Brijesh
43	SANDEEP KUMAR	23011004	B.Ed-Ist		Sandeep
44	Pawan verma	23011019	B.Ed-Ist		Pawan
45	Ashutosh. ~~Verma~~ Kumar	23011010	B.Ed Ist		Ashutosh
46	Shiv Shankar	23011057	B.Ed I		Shiv Shankar
47	Anuj Pratap singh	23011029	B.Ed I		Anuj Singh
48	Lalbahadur kumar Gautam	23011036	B.Ed I		Lalbahadur
49	Deepak Kumar	23011034	B.Ed Iyr		Deepakkumar
50	अंकेश वर्मा	23011015	B.Ed-I		Ankesh verma
51	Amrendra Singh Bhaskar	22056709	M.A II		[illegible]
52	manish Pandey	22011004	B.Ed.II		Manish
53	Sachin Kumar Verma	22011023	B.Ed.II		Sachin
54	Suraj Singh	22011013	B.Ed.II		[illegible]
55	Rahul Kumar	22011030	B.Ed II		Rahul
56	Pradeep Prajapati	22011046	B.Ed IInd		Pradeep Prajapati
57	BALRAM GUPTA	22011050	B.Ed IInd		Balram gupta
58	Sudhir Kumar	22011035	B.Ed IInd		Sudhir Kumar
59	Sachin Kumar Maurya	22056605	M.A IInd	Education	Sachin Maurya
60	Kamal Mishra	22056729	M.A. IInd	Education	Kamal
61	Soni Kumar Verma	22056864	M.A IInd	Education	Soni
62	रवीन्द्र कुमार यादव	22056861	M.A IInd	संस्कृत	Ravindra
63	Subhashchandra Paswan	22056845	M.A II	sociology	Subhash
64	Shubham Srivastav	22056807	M.A II	Political	Shubham
65	SURAJ KUMAR	22056909	MA II	Education	Suraj
66	Bindu lal Yadav	22011015	B.Ed II		[illegible]
67	Arman Ali	22057024	M.A II	P. Sc.	[illegible]
68	Mrityunjay Gupta	22011042	B.Ed II		Mkg

[illegible]

CamScanner

Page 8

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित

आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर

श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024

उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
69	Ajay Kumar Tiwari	22056855	M.A. 4th sem	English	Ajay
70	Chandranshu Tripathi	22056955	M.A. 4th sem	English	[illegible]
71	Pujari	22011002	B.Ed IInd	Hindi	Pujari
72	Amit Kumar Shukla	23011041	B.ED Ist		Amit Shukla
73	Shreedhar Pandey	23011092	B.ED Ist		Shreedhar
74	Rajan Mishra	22011005	B.Ed.2nd	Hindi	Rajan M.
75	Dinesh Kum[illegible]	22011010	B.Ed 2nd	Eng	[illegible]
76	Rahul Kumar Mishra	22011006	B.ed 2nd	English	Rahul Kumar mishra
77	Mahendra Pratap Pandey	22011008	B.ed 2nd	Geography	MP
78	Pawan Kumar	22067302	M.Sc.	Mathe.	[illegible]
79	Akhilesh Tiwari	22011043	B.Ed IInd		AKT
80	Akhilesh Verma	22011022	Bed IInd		Akhilesh Verma
81	Vikas Kumar mishra	22011012	B.Ed IInd		VKS
82	Shiv Pal	22056661	M.A - IInd	Pol. Sci.	Shivpal
83	Rahul Bharti	23011007	B.Ed I		Rahul
84	Alok Maurya	23011109	B.Ed I		Alok maurya
85	Amar nath	23011008	B.Ed Ist		Amar nath
86	Vishwadeep Mishra	23011017	B.Ed I		Vishwadeep
87	Chandra Shekhar Yadav	23011024	B.Ed Ist	—	चन्द्रशेखर यादव
88	Dilip pandey	23011040	Bed Ist	—	Dilippandey
89	Shivakar verma	23011020	Bed II		Shivakar
90	Kajal Pandey.	23011047	BEd 1		Kajal Pandey
91	Kalpana Arya.	23011046	BEd 1		Kalpana Arya
92	Shubhi Singh	23011013	BEd 1		Shubhi Singh
93	Archana Maurya	23011031	B.ed 1		Archana Maurya
94	Ruchi Chaudhari	23011049	B.Ed Ist		Ruchi Chaudhari
95	Aakanksha Verma	23011016	B.Ed. Ist		Aakanksha Verma
96	Pallavi Verma	23011033	B.Ed Ist		Pallavi Verma
97	Kalpana Pandey	23011006	B.Ed Ist		Kalpana Pandey
98	Priyanka Tiwari	23011014	B.Ed Ist		Priyanka
99	Pratibha Tripathi	23011005	BEd Ist		Pratibha Tripathi
100	Shaheen Begum	23011025	BEd Ist		Shaheen Begum
101	नीतू मिश्रा	21021719	BA VI sem	Education	नीतू मिश्रा
102	Ekta Verma	23035114	BSC IInd sem	Zoology	Ekta Verma

Page ④

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित
आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर
श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024

उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
103	Neha			BA प्रथम	
104	Habiba	23021525	B.A.I	"	Habiba
105	Urvashi chaudhary	23067197	B.Sc. Ist	Zoology	Urvashi
106	Upasana Mishra	23067056	M.Sc.Ist	Zoology	Upasana
107	Deepshikha Pathak	23067038	M.Sc.Ist	Zoology	Deepshikha
108	Pooja Gupta	22056607	M.A.IIyear	Education	Pooja Gupta
109	Rituraj shukla	23056918	M.A.Iy	Education	Rituraj
110	Poonam Singh	23056913	M.A.Iye	Education	Poonam Singh
111	Mandavi Pandey	23056914	M.A.I Ye.	Education	Mandavi Pandey
112	Saumya Mishra	23056758	M.A I Ye	Hindi	Saumya Mishra
113	Anjali Singh	23056602	M.A.I ye	Hindi	Anjali Singh
114	बबिता वर्मा	23056637	एम.ए. प्रथम	हिन्दी	बबिता वर्मा
115	दीपा मिश्रा	2305676	एम.ए. प्रथम	हिन्दी	दीपा मिश्रा
116	Zeeshan Ahmad Ansari	22056762	M.A.IV	education	Zeeshan
117	Murli Chaudhary	22011016	B.Ed.II	B.Ed.	Murli
118	Rathesh Kumar Yadav	22011047	B.Ed II	Education	Rathesh
119	Mukesh Kumar Yadav	22011024	B.Ed II	B.Ed	Mukesh
120	Saurabh kumar shukla	22011025	B.Ed II	B.Ed	Saurabh
121	Gaurav Chaudhary	22022672	B.A.IV sem	B.A IInd	Gaurav.
122	Vinod kumar Baranwal	22021283	BA	BA IInd	[illegible]
123	Dayashankar yadav	22021207	BA	BA IInd	[illegible]
124	Vivek kumar Gupta	23056903	M.A	IInd year	Vivek
125	Ramu Chaurasiya	23056907	M.A	Geography	Ramu Chaurasiya
126	Sudarshan Yadav	23056815	M.A	Geography	Sudarshan Yadav
127	Subham Verma	22011020	B.ed IInd	B.Ed	Subham Verma
128	Akanksha Rastogi	22011049	B.ed IInd	B.Ed	Akanksha
129	Sangeeta Pandey	22056758	M.A	Political	Sangeeta
130	Abhishek kumar tiwari	2205C7??	MA.	Political	[illegible]
131	Dinesh Kumar	220569	MA	Political	Dinesh Kumar
132	शुभम कुमार चतुर्वेदी	23056936	एम.ए.	राजनीति वि.	शुभम
133	Abhay kumar mishra	22034721	B.Sc	Science	Abhay kumar mishra
134	Raj mishra	22034704	B.S.c	Zoology	Raj
135	Karan Kumar	22035185	"	"	Karan Kumar
136	Vishnu Pratap Paswan	22056802	M.A.	Geography	Vishnu Pratap Pas.

[signature]

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित
आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर
श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024

उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
137	सौरभ कुमार पाण्डेय	22034711	B.SC	zoology	Saurabh.
138	राहुल तिवारी	23046338	B.Com	Commerce	Rahul
139	विकास वर्मा	22034041	B.SC	zoology	Vikas.
140	शिवम दुबे	22034040	B.SC	Chemistry	Shivam.
141	विक्की चौहान	22034011	B.A	Hindi	Vicky
142	आदित्य मिश्रा	22034741	B.SC	Chemistry	Aaditya
143	अभिषेक मिश्रा	22034641	B.Sc	Botany	Abhishek.
144	आदेश पाण्डेय	23036840	B.Com	Commerce	आदेश.
145	आर्चना	22034845	B.SC	Botany	Archana
146	अनुराधा सिंह	22035041	B.A	Hindi	Anuradha
147	आर्चना पाण्डेय	22035046	B.A	Hindi	Archana.
148	Mohd. Asif Ansari	22056765	M.A II	edu.	Asif
149	Vivek Mishra	22021655	B.A.	'	Vivek
150	Kuldeep Giri	22022165	B.A		Kuldeep
151	Sonali Jaiswal	22056916	M.A III	Psy.	Sonali
152	Shristi shukla	22056805	M.A III	Psy	सृष्टि शुक्ला
153	Aashu Singh.	22056856	M.A II	Hindi	AashuSingh.
154	Sapna Singh.	22056654	M.A II	Hindi	SapnaSingh.
155	Vandana Pathak	22056640	M.A II	Hindi	Vandana Pathak.
156	Atul Mishra		M.A II	Hindi	Atul Mishra
157	Seema		M.A II	Hindi	Seema
158	Shikha		M.A II	Hindi	Shikha.
159	Vandana gautam		M.A II	Hindi	Vandana G.
160	Amit Kureel	23022425	B.A I	Hindi	Amit Kureel
161	Amit Tripathi	23087726	B.A I	Hindi	Amit Tripathi
162	Shakti dayal Shukla	23046919	B.Com I	'	Shakti dayal Shukla
163	Sachin Tiwari	23021501	B.A I	Hindi	Tiwari
164	Rohit Pandey	23022010	B.A I	Hindi	
165	Sudhanshu Mishra	22011027	B.Ed II		Smith
166	Anoop Kumar	22035285	B.Sc.N	Math	Anoop Kumar
167	Nikhilesh Kr. Tripathi	22034805	B.Sc IV	math	N.K Tripathi
168	Om kant Rao	22035241	B.Sc IVsem	Math	Om kant Rao
169	Satish Chaurasiya	22034702	B.Sc IVsem	Math	Satish
170	Vishal Yadav	22034843	B.Sc IVsem	Maths	Vishal

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित
आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर
श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024
उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
171	Harsh Chauhan	22034863	B.Sc IV th sem	Maths	[illegible]
172	Sakshi Maurya	22034932	B.Sc IVth	Maths	Sakshi
173	Shreya	22034974	B.Sc IVth	Maths	Shreya
174	Anjani Yadav	22035173	B.Sc IVth	Maths	Anjani
175	Awantika Tripathi	22035030	B.Sc IVth	Maths	Awantika
176	Siddharth Mishra	22087721	BCA 4th sem	BCA	Siddharth Mishra
177	Pawandas Shukla	21021085	B.A III	H.G.	P Shukla
178	Shivam	23034799	B.Sc I	Bio	Shivam
179	Priyashankar Prakash	21036701	B.Sc III	Bio	P.S.Prakash
180	Shiv Kumar Verma.	21077404	B.B.A III	Mangg.	Shiv Kumar
181	Shiv Indrajeet Gupta	21077408	B.B.A III	Manag.	Shiv Indrajeet
182	Anwar Raza	21021480	B.A.-III	History	Anwar Raza
183	Mukesh Kumar	23077408	BBA I Ind	Account	Mukesh Kumar
184	Pankaj Kumar	23021458	B.A II Sem	His/Polity English	Pankaj Kumar
185	Rajan Singh	23077408	BBA	Business	Rajan Singh.
186	Shyam Sundar Panday	23021481	B.A III	His/geo	Shyam
187	Shatrujeet Singh Yadav	22046309	B.com 2nd	Account	Shatrujeet
188	Kamlesh Chaurasiya	22067119	M.Sc IV Sem	Chemistry	Kamlesh
189	Vivek Kumar Shukla	22021097	B.A 2nd	Psy, His, Eco	Vivek
190	Indra Pal	23021472	B.A Ist	Arts	Indra Pal
191	Suraj Kumar Jalaud	23021227	B.Sc Ist	Science	Suraj
192	Vikas Yadav	23087632	BCA Ist	Computer	Vikas
193	Manish Kumar Maurya	22021880	B.A II nd	Art	Manish
194	Ramkumar Yadav	22035143	B.Sc IInd	Maths	Ramkumar
195	Raj Kumar Vishwakarma	22021330	B.A IInd	History	Raj Kumar
196	Nazmul Hasan Siddiqui	22021381	B.A IInd	History	Nazmul
197	Amit Kumar Tiwari	23034949	B.Sc 1st	Botany	Amit
198	Puneet Kumar Tiwari	21031701	B.Sc 6th	Physics	Puneet
199	Diwakar Mishra	23034892	B.Sc 1st	Botany	Diwakar
200	Sundram Dwivedi	23087602	BCA 2nd	BCA	Sundram
201	Satyam Pandey	23087601	BCA 2nd	BCA	Satyam
202	Pankaj Yadav	23021321	B.A 2nd	History	Pankaj Yadav
203	Vikas Verma	23034917	B.Sc.(I)	Maths	Vikas Verma
204	Sanjay Kumar	22046342	B.com II	Commerce	Sanjay

Page 7

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित
आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर
श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024

उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
205	ज्योति चौधरी	22056894	M.A. II 4 sem	Education	Jyoti Chaudhary
206	प्रीती वर्मा	22056863	M.A. II year	Education	Preeti verma
207	वन्दना पाण्डेय	22056753	M.A II year	Education	वन्दना पाण्डेय
208	सुष्मिता कश्यप	22056852	M.A. II year	Education	Sushmita Kashyap
209	अंशू सिंह	22056837	M.A II year	Education	Anshu Singh
210	पाकीजा	22056833	M.A II year	Education	Pakeeza
211	शिखा खरवार	22056937	M.A II year	Education	Shikha
212	प्रिया गुप्ता	22056674	M.A II year	Education	Priya Gupta
213	रेखा देवी	22056659	M.A II year	Education	Rekhadevi
214	गरिमा पाण्डेय	22056759	M.A II year	Education	Garima Pandey
215	सौम्या गुप्ता	23056851	M.A II sem	Education	Saumya Gupta
216	डाली उपाध्याय	23056750	M.A II sem	Sociology	डाली उपाध्याय
217	मशरबा फातिमा	23056700	M.A I year	Education	मशरबा फातिमा
218	Revti Shukla	23056845	M.A Ist	Education	Revti Shukla
219	Mantasha Quraishi	23056611	M.A Ist	Education	Mantasha Quraishi
220	Tanu Shree Pandey	23056963	M.A Ist	Education	Tanu Shree
221	सिमरन कश्यप	23056615	M.A Ist	Education	सिमरन कश्यप
222	अनीता यादव	23056655	M.A Ist	Education	अनीता यादव
223	पल्लवी सैनी	23056668	M.A I year	Education	Pallavi Saini
224	सीमा पाण्डेय	23056671	M.A Ist year	Education	Seema Pandey
225	मंगलिका गोपाल	23056709	M.A Ist year	Education	Mangalika Gopal
226	प्रियंका पाण्डेय	23056785	M.A Ist year	Education	Priyanka Pandey
227	श्वेता मिश्रा	23056612	M.A Ist year	Education	श्वेता मिश्रा
228	Nikita singh	23056754	M.A Ist	Sociology	निकिता सिंह
229	SAIJA PANDEY	23056906	M.A Ist	Sociology	SAIJA PANDEY
230	Nikita Pandey	22022786	B.A II year		
231	वनिता शुक्ला	22056854	M.A 2 year	समाजशास्त्र	वनिता शुक्ला
232	Reshu Chauhan	23056605	M.A I year	शिक्षाशास्त्र	Reshu Chauhan
233	Neha Soni	23056887	M.A I year	शिक्षाशास्त्र	Neha Soni
234	Subhi Srivastava	23056767	M.A I year	मनोविज्ञान	Subhi
235	SHUBHANSHI SRIVASTAVA	23056648	M.A I Y	Psycho	Shubhanshi
236	Sadiya Bano	23056690	M.A I Y	Psycho	Sadiya
237	Saloni Singh	23056710	M.A Ist	Psychology	Saloni
238	Marhaba Bano	23021524	B.A	Psychology	Marhaba

Page 8

भारतीय भाषा समिति शिक्षा मन्त्रालय द्वारा अनुदानित
आयोजक– एम0एल0के0 पी0जी0कालेज, बलरामपुर
श्री जगतगुरू शंकरचार्य व्याख्यान माला, दिनांक 14.03.2024
उपस्थिति पत्रक

क्र0सं0	नाम	कालेज अनु0	कक्षा	विषय	हस्ताक्षर
239	Akanksha	36	B.Ed II year		Akanksha
240	Pushpanjali	33	B.Ed II year		[illegible]
241	Asha Yadav	11	B.Ed II year		Asha
242	Anjali Singh	01	M.A II year		Anjali Singh
243	Biparsha Kasoudhan	22056658	M.A II year	Education	Biparsha Kasoudhan
244	Hema Maurya	22056688	M.A II year	Education	Hema Maurya
245	Preeti chaudhary	22056932	M.A II year	"	Preeti
246	Archana Upadhyay	22056841	M.A II year	"	Archana
247	Pratiksha Mishra	22056844	M.A II year	"	Pratiksha
248	Tanu Soni	22057032	M.A II year	Education	Tanu Soni
249	Nagma Khatoon	22056683	M.A II year	Education	नगमा खातून
250	Poornima Shukla	22056699	M.A II year	Education	पूर्णिमा शुक्ला
251	Monu Tiwari	23056787	M.A I year	Sociology	Monu
252	Purnima tiwari	23056718	M.A I year	Sociology	Purnima Tiwari
253	Akanksha Kuldeep	21021630	B.A 3 year (6 sem)	Sociology	Akanksha
254	Archana Vishwakarma	23011038	B.ed Ist year		Archana Vishwakarma
255	Teji Singh	21021442	B.A 3rd year 6th sem	Sociology	Teji Singh
256	Deepika Verma	21021936	B.A 3rd year	Sociology	Deepika Verma
257	Nilofar Tabun	23056667	M.A IInd sem	English	Nilofar Tabun
258	Anjali chauhan	23056677	M.A IInd sem	English	Anjali chauhan
259	Priyanka Shukla	23056629	M.A Ist	Education	Priyanka Shukla
260	Madhuri Shukla	23056776	M.A Ist	Education	Madhuri Shukla
261	Nidhi Singh	23056633	M.A Ist	Education	Nidhi Singh
262	Sakrin Bano	23056919	M.A Ist	Education	Sakrin Bano
263	Ananya Singh	22011009	B.Ed II	His/Hindi	Ananya
264	Aishwarya Bajpai	22011007	B.Ed IInd	Eng/Geo	Aishwarya
265	ANKITA MISHRA	22011003	B.Ed IInd		Ankita
266	Ragini Tiwari	22011010	B.Ed IInd	Science	Ragini Tiwari
267	Shatakshi Tiwari	22011031	B.Ed-2	His/Geo	Shatakshi Tiwari
268	Aastha Tripathi	22011040	B.Ed.-2	Science maths	आस्था त्रिपाठी
269	Mansi Tiwari	23056966	MA Ist	Geography	mansi
270	PRAVESH KUMAR PATHAK	23056735	MA IInd	Pol. Sci.	[illegible]
271	Pinki Kashyap	23021785	B.A 2nd	Education	[illegible]
272	Rohini Kumari		MA IInd sem	Geography	Rohini

महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर-271201 (उ0प्र0)
MAHARANI LAL KUNWARI POST GRADUATE COLLEGE, BALRAMPUR - 271201 (U.P.)

Ref. No. 7122/23-24

GFR-12 A
[See Rule 238 (1)]

Date 20.08.24

FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEEE ORGANIZATION

Name of the organizing Institution
M.L.K.P.G.College,Balrampur

UTILIZATION CERTIFICATE (Provisional) FOR THE YEAR 2023-24 (AS ON DATE) in respect of recurring / non-recurring
GRANTS-IN-AID / SALARIES CREATION OF CAPITAL ASSETS

1. Name of the Scheme: जगद्गुरू श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला
2. Whether Recurring or non-recurring grant: Recurring
3. Grants position at the beginning of the financial year:
   (i) Cash in Hand/Bank: Nil
   (ii) Unadjusted advances:Nil
   (iii) Total: :Nil
4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actuals)

(Amount in Rupees)

Unspent Balances of Grants received years [figures as at SI No.3 (iii)]	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grants received during the year			Total Available funds (1+2-3+4)	Expenditure incurred	Closing Balances (5-6)
1	2	3	4			5	6	7
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
Nil	Nil	Nil	-	14.3.24	40,000.00	40,000.00	51,815.00	11,815.00

5. **Component-wise utilization of grants:**

Grant-in-aid	Grant-in-aid-Salary	Grant-in-aid-creation of capital assts	Total
50,000.00	Nil	Nil	50,000.00

Details of grants position at the end of the year
(i) Cash in Hand/Bank :Rs.(-)11.815.00
(ii) Unadjusted advances : Nil
(iii) **Total** : Rs.(-)11,815.00

Address : Tulsipur Road, Balrampur - 271201 (U.P.)
Phone : (05263) 234139, Website:mlkcollege. ac.in , Email : mlk.college1955@gmail.com

CamScanner

महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर-271201 (उ0प्र0)
MAHARANI LAL KUNWARI POST GRADUATE COLLEGE, BALRAMPUR - 271201 (U.P.)

Ref. No. .... Date................................

Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

(i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) aremaintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the ACT/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements/accounts.

(ii) There exist internal controls for safeguarding public funds/assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. & the periodic evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

(iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/Rules/Standing instructions and scheme guidelines.

(iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

(v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were covered where the scheme was intended to operate.

(vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

(vii) It has been ensured that the physical and financial performance under जगद्गुरू श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला **sponsored by Bhartiya Bhasha Samiti, Ministry of Education, Govt. of India held on** 14.03.2024 has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance/ targets achieved statement for the year to which the utilization of fund resulted in outcomes given at Annexure-I duly enclosed.

. The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure-II duly enclosed (to be formulated by the Ministry/ Department concerned as per their requirements/specifications.)

(viii) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries are enclosed at Annexure-II (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements).

Date:

Place:

Verified from ... Anoop Sarraf & Company Balrampur Chartered Accountants M.No 406377

Signature ....Shmishra............
Coordinator
Name(s) : Prof.Shri Prakash Mishra

Signature ....[signature] 19/03/24.........
Chief Finance Officer/Head of the Finance
Shushil Mishra

Signature ....[signature]..................
Head of the Organization
Name(s) Prof. J.P. Pandey

Address : Tulsipur Road, Balrampur - 271201 (U.P.)
Phone : (05263) 234139, Website:mlkcollege.ac.in, Email : mlk.college1955@gmail.com

CamScanner